नामांक Roll No.

No. of Questions — 1 + 4
No. of Printed Pages — 3

SS—28–1—Philos. I

उच्च माध्यमिक परीक्षा, 2010

SENIOR SECONDARY EXAMINATION, 2010

वैकल्पिक वर्ग I (OPTIONAL GROUP I — Humanities)

दर्शन शास्त्र— प्रथम पत्र

(PHILOSOPHY — First Paper)

समय : $3\frac{1}{4}$ घण्टे

पूर्णांक : 60

परीक्षार्थियों के लिए सामान्य निर्देश :

GENERAL INSTRUCTIONS TO THE EXAMINEES :

1. परीक्षार्थी सर्वप्रथम अपने प्रश्न पत्र पर नामांक अनिवार्यत: लिखें ।

   Candidate must write first his / her Roll No. on the question paper compulsorily.

2. प्रश्न पत्र के हिन्दी व अंग्रेजी रूपान्तर में किसी प्रकार की त्रुटि / अन्तर / विरोधाभास होने पर हिन्दी भाषा के प्रश्न को सही मानें ।

   If there is any error / difference / contradiction in Hindi and English versions of the question paper, the question of Hindi version should be treated valid.

3. प्रश्न पत्र के दोनों खण्ड करने अनिवार्य हैं । **खण्ड 'ब'** के सभी प्रश्नों में आंतरिक विकल्प हैं ।

   Both the Sections of the question paper are compulsory. There are internal choices in all the questions of *Section B*.

4. प्रत्येक प्रश्न का उत्तर दी गई उत्तर-पुस्तिका में ही लिखें ।

   Write the answer to each question in the given answer-book only.

खण्ड 'अ' (Section 'A')

1. निम्नलिखित में से किन्हीं **पाँच** पर संक्षिप्त टिप्पणियाँ लिखिए :

(i) कर्म का सिद्धान्त
(ii) जीवात्मा
(iii) असम्प्रज्ञात समाधि
(iv) निर्वाण
(v) बंधन
(vi) निष्काम कर्म
(vii) पुरुष
(viii) अनुमान के प्रकार
(ix) न्याय में अलौकिक प्रत्यक्ष
(x) पुद्गल ।

Write short notes on any *five* of the following : 5 ∞ 4 = 20

(i) Law of Karma
(ii) Individual soul/Jivatma
(iii) Asampragyata Samadhi
(iv) Nirvana
(v) Bondage
(vi) Nishkama Karma
(vii) Purusa
(viii) Kinds of inference
(ix) Extra-ordinary perception in Nyaya
(x) Pudgala/matter.

खण्ड 'ब' (Section 'B')

निर्देश : सभी प्रश्न करने अनिवार्य हैं ।

Instruction : All questions are compulsory.

1. गीता के तीनों योग — कर्म, ज्ञान, भक्ति पर निबंध लिखिए ।

अथवा

कर्म का सिद्धान्त भारतीय दर्शन पर निराशावादी होने का प्रत्यारोप का प्रत्युत्तर कैसे देता है ? समझाइए ।

Write an essay on the three Yogas of Geeta – Karma, Gyan, Bhakti. 10

OR

How does law of Karma, counter the charge that Indian Philosophy is pessimist ? Explain.

2. बौद्ध दर्शन के भव-चक्र का विस्तारपूर्वक विवेचन कीजिए ।

अथवा

जैन दर्शन के अनुसार जीव की प्रमुख विशेषताओं का वर्णन कीजिए ।

Explain in detail the twelve links or Bhava-Chakra of Buddhism. 10

OR

According to Jain Philosophy, Describe the chief characteristic features of Jiva.

3. प्रकृति के स्वरूप एवं अस्तित्व के लिए प्रमाणों का विवेचन कीजिए ।

अथवा

योगश्चित्तवृत्तिनिरोध को समझाइए ।

Describe the nature of Prakriti and proofs for its existence. 10

OR

Yoga means deliverance from the various Chittavrittis. Explain.

4. अनुमान के स्वरूप व विभिन्न प्रकारों पर प्रकाश डालिए ।

अथवा

न्याय दर्शन की ज्ञान-मीमांसा पर संक्षिप्त निबंध लिखें ।

Throw light on the nature and various kinds of inference. 10

OR

Write a brief essay on epistemology of Nyaya Philosophy.